स्वास्थ्य शिक्षा पुस्तकालय - लोगों के लिए

दुनिया का सबसे बड़ा **मुफ्त** स्वास्थ्य पुस्तकालय है.

यह एक आधुनिक पुस्तकालय है जो सभी बीमारियों के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्रदान करता है.

अब हमारा लक्ष्य इन क्षेत्रों में है :

1. स्वास्थ्य बीमा कंपनियों को रोग शिक्षा में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करना
2. रोग जानकारी थेरेपी की वकालत करना
3. रोगियों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्रों की स्थापना करना
4. वेबसाइट के लिए ,भारतीय भाषाओं में , रोगी के लिए शैक्षिक सामग्री तैयार करना

LET'S HELP ERADICATE IGNORANCE

Health Education Library For People
206,Dr. D.N.Road,
National Insurance Bldg.,
Ground Floor,
Near New Excelsior Cinema,
Mumbai – 400 001.
Tel: 22061101, 22031103, 65952393, 65952394
Email: helplibrary@gmail.com
www.helpforhealth.org

HELP
Health Education Library for People

HEALTH EDUCATION LIBRARY FOR PEOPLE

स्वास्थ्य शिक्षा पुस्तकालय - लोगों के लिए

खसरा

LET'S HELP ERADICATE IGNORANCE

खसरा क्या है ?

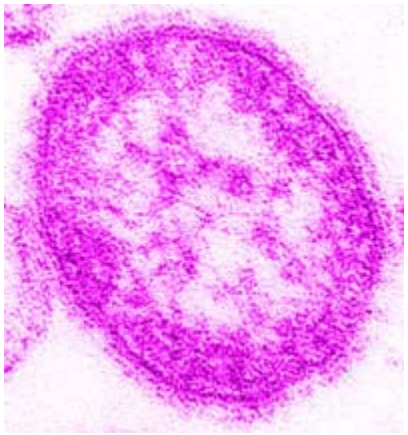

खसरा रोग वायरस से होता है । इसके लक्षण हो सकते हैं - बुखार, खाँसी, नाक का चलना, आँखे लाल होना और सारे शरीर पर दाने (मैक्यूलोपैपूलर, इरिथ्रोमेटस) आना और बच्चों में घातक एनसिफेलोपैथी का होना ।

यह कैसे होता है ?

यह एक वायरस से होनेवाला रोग है, जिसे पैरामिक्सो वायरस कहते हैं । यह हवा के द्वारा फैलता है । छींक, खाँसी आदि से स्वस्थ व्यक्ति भी संक्रमित हो जाता है । इस अत्यंत संक्रामक रोग के लक्षण 3-6 दिन बाद दोनों रूप में प्रकट होते हैं ।

इसके मुख्य लक्षण क्या हैं?

इसका प्रारूपिक लक्षण 3-4 दिन तक तेज बुखार आना होता है । इसके तीन लक्षणों को तीन सी - कॉफ, कॉराईजा (नाक चलना) और कन्जक्टिवाइटिस कहते हैं । मुखगुहा में ऊपरी दाँतों के पास (तालू) सफेद धब्बे (कॉपलिक के धब्बे) दीखने पर खसरे का निदान हो जाता है । किन्तु ये धब्बे थोड़े समय के लिए होते हैं और एक दिन में ही गायब हो जाते हैं । खसरे का चारित्रिक लक्षण है कई दिन बुखार के बाद सारे शरीर पर लाल दाने होना होता है । यह पहले सिर पर होते हैं । फिर सारे शरीर पर हो जाते हैं । इसमें खुजली भी होती है ।

खसरे का निदान कैसे होता है?

खसरे का निदान बुखार, रैश और कॉपलिक के धब्बों पर आधारित होता है । संदेह होने पर वायरस या इम्यूनोलोजिकल टेस्ट करवाते हैं ।

खसरे की चिकित्सा कैसे की जाती है ?

खसरे की कोई विशिष्ट चिकित्सा नहीं है । कई रोगियों में सहायात्मक चिकित्सा की जरूरत पड़ती है ।